## हिनौता गांव में पोस्ट ऑफिस कर्मी ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली

**सीधी, देशबन्धु।** जिले के हिनौता गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी। पोस्ट ऑफिस में बतौर एजेंट कार्यरत संतोष मिश्रा (55) ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े और उन्हें खून से लथपथ पाया।

जानकारी के अनुसार, संतोष मिश्रा रोजाना की तरह सुबह 9.30 बजे अपने घर से पोस्ट ऑफिस जाने के लिए निकले थे। लेकिन 10.26 बजे खेत से गोली चलने की आवाज आई। ग्रामीण जब मौके पर पहुंचे तो देखा कि संतोष मिश्रा का शव खेत में पड़ा था और उनकी लाइसेंसी रिवॉल्वर पास में पड़ी थी। तुरंत उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

### खुदकुशी या हादसा?

घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। थाना कोतवाली में पदस्थ विवेक द्विवेदी ने बताया कि फिलहाल मौत के कारण का पता नहीं चल सका है। पुलिस इस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है कि यह आत्महत्या थी या कोई दुर्घटना। संतोष मिश्रा की अचानक मौत से परिवार और गांव के लोग सदमे में हैं। उनकी आत्महत्या के पीछे क्या वजह थी, यह अब तक रहस्य बना हुआ है। परिजनों का कहना है कि संतोष मिश्रा मानसिक रूप से तनाव में नहीं थे, न ही उन्होंने किसी तरह की परेशानी जाहिर की थी।

### पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा राज

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह आत्महत्या थी या दुर्घटना। पुलिस मृतक के परिवार और करीबियों से भी पूछताछ कर रही है ताकि आत्महत्या के पीछे की वजह का पता लगाया जा सके।

### पहले भी हुई हैं ऐसी घटनाएं

गौरतलब है कि जिले में इससे पहले भी कुछ सरकारी कर्मचारियों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आई हैं। पुलिस इन मामलों को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है कि कहीं संतोष मिश्रा पर किसी तरह का दबाव या तनाव तो नहीं था। संतोष मिश्रा के परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटियां हैं, जो इस घटना के बाद गहरे सदमे में हैं। पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस की जांच रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही इस घटना की सच्चाई सामने आ पाएगी।

## मुफ्त बियर नहीं दी तो ठेकेदार के पुत्र पर जानलेवा हमला

**उमरिया,देशबन्धु।** उमरिया जिले के बिरसिंहपुर पाली की लाईसेंसी अंग्रेजी शराब दुकान पर आरोपियो ने मुफ्त में एक पेटी बीयर नहीं मिलने पर शराब ठेकेदार के पुत्र अमृतांशु व अन्य शराब कामगारों के ऊपर प्राणघातक हमला कर दिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार 14 मार्च 2025 को रात में तकरीबन 11.30 बजे आरोपी गण अंग्रेजी शराब दुकान पहुंच कर एक पेटी बीयर शराब की मांग कर रहे थे , जिस पर शराब दुकान के विक्रेता ने शराब दुकान बंद हो जाने की बात कहकर मुफ्त में शराब देने से इंकार कर दिया ।

जिसपर आरोपी गण मनू अनुज,पैच्चू , रितिक एवं अन्य साथियों के साथ अश्लील गालियां देने लगें, जिसपर दूकान में उपस्थित विक्रेता तनवीर आलम पिता मोहम्मद आलम आयु 21 वर्ष निवासी सुजायत पुर थाना गोविंद गंज जिला पूर्वी चमपारन बिहार कों गाली गलौज करने से मना करने पर दुकान से फरियादी को खींचकर मारपीट करने लगे। मारपीट की

चिल्लाहट सुनकर शराब कारोबारियों के अन्य साथी भी बीच बचाव करने के लिए दौड़े, वह भी आरोपियों के कोपभाजन का शिकार हो गया । आरोपी इतने उन्माद में थे कि फरियादियों को मारते-पीटते अंग्रेजी शराब दुकान से लेकर बस स्टैंड तक ले गये । पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्र 133/15-3-2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता बी एन एस 296, 115 , 118(1) 351? (3) 3(5) बी एन एस के तहत पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया गया।

### सार-समाचार

## रंग लाया ग्रामीणों का संघर्ष, झांसी-मानकपुर रेल लाइन दोहरीकरण में मुआवजे की प्रक्रिया शुरू

**छतरपुर, देशबन्धु।** जिले के हरपालपुर में झांसी मानिकपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण का काम काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेलवे विभाग द्वारा नौगांव जनपद की ग्राम पंचायत सरसेड़ के गांव चपरन के बाधा बने 35 मकानों सर्वे बाद राजस्व लोकनिर्माण विभाग द्वारा मूल्यांकन करने के उपरांत नोटिस देकर मुआवजा बांटने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिला कलेक्टर भूअर्जन शाखा द्वारा जारी नोटिस में रेलवे विभाग रेलवे लाइन के दोहरीकरण के लिए चपरन गांव के प्रभावित ग्रामीणों से भूमि क्रय करेगा। इस एवज रेलवे विभाग बाजार मूल्य से दुगनी राशि का मुआवज़ा ग्रामीणों को प्रदान करेगा। झांसी मानिकपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण में चपरन गांव के 35 मकान रेल लाइन की सीमा में आ रहे हैं। मुआवज़ा वितरण के बाद इन मकानों पर रेलवे बुलडोजर चला कर जमींदोज करेगा। बीते एक वर्ष से चपरन गांव के किसानों के संघर्ष मेहनत की जीत हुई है।

## क्या कर पाएंगे नवागत एसडीएम

**बिरसिंहपुर पाली, देशबन्धु।** बिरसिंहपुर पाली तहसील में नवागत एसडीएम के कार्य भार ग्रहण करने के बाद नगर में अटकलों का बाजार गर्म हो गया है कि एसडीएम के साथ और क्या क्या बदलेगा। मालूम हो कि पाली तहसील में अराजकता का माहौल पूरे क्षेत्र में फैला हुआ है। बताया जाता है कि यहां पर कलेक्टर के आदेशों का भी पालन नहीं हो पा रहा था, कई ऐसे संवेदनशील मामले है ,जिसमें कलेक्टर उमरिया के व्दारा पारित आदेश भी अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में धूल चाट रहे हैं , अब लोगों का मानना है कि शायद अब वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के आदेशो का पालन बेहतर तरीके से होने लगेगा। इसी तरह अनुविभागीय अधिकारी न्यायालय में भी कतिपय लोगों व्दारा मामले में मोल तोल कर उनका निराकरण किया जाता रहा है। न्यायालीन मामलों में कानून का पालन न हो पाने की चर्चाये पाली तहसील में आम हो चुकी थी।

नवागत एसडीएम पाली में ऐसे अवसर पर आगमन पर हुआ है जब बासंतीय नवरात्रि का शुभारंभ होने वाली है। सर्व विदित है कि बिरसिंहपुर पाली का चैत्र नवरात्रि पूरे देश भर में विख्यात है । इस नवरात्रि पर्व तहसील पाली की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। नवरात्रि पर्व में शांति पूर्ण और निर्विघ्न सफल हो सके इसके लिए प्रशासनिक अधिकारियों का दायित्व बढ़ जाता है । इसके साथ ही पाली नगर में कुछ ज्वलंत समस्याये प्रशासनिक अधिकारियों के उपेक्षा के कारण आम लोगों के लिए मुसीबत का सबब बनी हुई है , जिनमें अतिक्रमण की भयावहता सुरसा के समान हर दिन मुंह फैलाती जा रही है । अतिक्रमण का मामला ऐसा है कि दुकानों के सामने सड़क पर दुकान लगाने और उनसे बैठकी की राशि वसूली की परंपरा पुरानी हों गयी है । जिससे नगर में आवागमन बेहद कष्टप्रद हो जाता है ,आये समय नगर में जाम की स्थिति बनी रहती है । नगर में स्थाई बस स्टैंड का निर्माण कार्य चल रहा है , जब तक बस स्टैंड का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता तब तक के लिए यहां पर एक अस्थाई बस स्टाप कराने के लिए क्षेत्र कि लोकप्रिय विधायक सुश्री मीना सिंह जी के व्दारा सेड निर्माण करा बस स्टाप बनाया था लेकिन आज तक उसका उपयोग नहीं हो सका, जिस वजह से जहां पर बस खडी हो रही है वहां पूरे दिन जाम लगा रहता है । नवागत एस डी एम महोदय इन समस्याओं का बारीकी से निरीक्षण कर कुछ नयी शुरुआत कर सकते हैं।

## प्रधानमंत्री ने शहडोल के मिनी ब्राजील का फिर किया जिक्र

### सुर्खियों में विचारपुर गांव और फुटबॉल कोच रईस अहमद

**शहडोल, देशबन्धु।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पॉडकास्ट में शहडोल जिले के मिनी ब्राजील का जिक्र कर विचारपुर गांव को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है। अमेरिकन पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि शहडोल जिले की यात्रा में उन्हें उस जगह के बारे में पता चला, जहां के निवासियों में फुटबॉल के प्रति अटूट प्रेम था और वे अपने क्षेत्र को मिनी ब्राजील कहते हैं। उन्होंने बताया कि विचारपुर गांव को मिनी ब्राजील कहते हैं। गांव में हर परिवार में लगभग चार-चार पीढ़ी से लोग फुटबॉल खेलते आ रहे हैं, और नेशनल प्लेयर 80 के करीब गांव से निकले हैं, पूरा गांव फुटबॉल को समर्पित है।

इससे पूर्व वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शहडोल दौरे पर आए थे और उन्होंने यहां मिनी ब्राज़ील कहे जाने वाले विचारपुर गांव के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनकी स्थितियों को समझा था। इसके बाद जुलाई 2023 में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में मिनी ब्राज़ील कहे जाने वाले विचारपुर गांव का उल्लेख करने के साथ ही इन खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने वाले कोच व राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी रईस अहमद का भी जिक्र किया था। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने यह भी बताया था कि किस तरह सीमित संसाधनों के बावजूद कोच रईस अहमद ने शराब और

नशे के कारण बदनाम इस गांव से नेशनल खिलाड़ी तैयार किए।

### वर्ष 2002 से कोचिंग की शुरु

पॉडकास्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शहडोल जिले के मिनी ब्राज़ील का जिक्र करने के संबंध में एन आई एस फुटबॉल कोच व पूर्व राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी रईस अहमद ने चर्चा के दौरान बताया कि उन्होंने विचारपुर गांव में 2002 से फुटबॉल कोचिंग देनी शुरू की। पहले छोटे लड़कों की टीम बनाकर उन्हें कोचिंग दी और उसके बाद लड़कियों की टीम बनाकर उन्हें कोचिंग देना शुरू किया। वे बताते हैं की शुरुआत में बेहद दिक्कतों का सामना करना पड़ा। क्योंकी कुछ छोटे बच्चे तो मैदान में आ जाते थे, लेकिन लड़कियों को उनके घर के लोग खेलने नहीं भेजते थे। बाद में धीरे-धीरे जब लड़कियों के परिवार के लोगों को भरोसा आया और लड़कों को उन्होंने मैदान में खेलते देखा तो फिर वह भी अपने घर की छोटी बच्चियों को फुटबॉल खेलने मैदान भेजने लगे।

### संसाधन बेहद सीमित थे

फुटबॉल कोच श्री अहमद ने बताया कि विचारपुर गांव में फुटबॉल का माहौल तो था लेकिन संसाधन बिल्कुल नहीं थे। उन्होंने बताया कि कुछ सालों के प्रयास के बाद यह स्थिति निर्मित हो गई कि हर घर से बच्चे फुटबॉल के लिए तैयार होने लगे। और जब यहां की कई लड़कियों ने राष्ट्रीय शालेय और ओपन प्रतियोगिता में शिरकत करनी शुरू की तो फिर धीरे-धीरे इस गांव को मिनी ब्राजील के रूप में पहचान मिलने लगी।

फुटबॉल कोच रईस अहमद ने बताया कि लक्ष्मी सहीस 9 राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग ले चुकी हैं, जबकि उनका भाई सीताराम सहीस और बहन धनवंतरी सहीस भी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेल चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही अनिल सिंह गौड़, ओम प्रकाश कोल, राकेश कोल, नरेश कुंडे, शैलेंद्र कुंडे, इंद्रजीत ,केवट सत्यम कुंडे, हनुमान सिंह, मुकेश कोल, भीम सिंह, शंकर दहिया, रजनी सिंह, यशोदा सिंह, लक्ष्मी, यगवती सिंह और रेनू सिंह सहित डॉन ऐसे नाम है जिन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया है।

### वर्ष 2021 में शुरू हुई फुटबॉल क्रांति

फुटबॉल कोच श्री अहमद ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि शहडोल संभाग के तत्कालीन संभाग आयुक्त राजीव शर्मा ने युवा फुटबॉल खिलाड़ियों का काफी मनोबल बढ़ाया और उन्हें संसाधन उपलब्ध कराए। संभाग आयुक्त राजीव शर्मा के नेतृत्व में 26 सितंबर 2021 को शहडोल संभाग में

फुटबॉल क्रांति की शुरुआत हुई। इस फुटबॉल क्रांति का उद्देश्य संभाग में अच्छे खिलाड़ी तैयार कर फुटबॉल क्रांति द्वारा भारत को नंबर वन बनाना था। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 से 2023 तक 85 फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें पंचायत स्तर, जिला स्तर, संभाग स्तर, राज्य स्थान एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान पूरे संभाग में पंचायत स्तर पर 1000 फुटबॉल क्लब का भी गठन किया गया।

24 राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ियों को ई लाइसेंस कोर्स कराकर फुटबॉल कोच बनाया गया है और रिलायंस फाउंडेशन शहडोल द्वारा उन्हें रोजगार से जोड़ा गया है। कुछ राष्ट्रीय खिलाड़ी रेलवे, पुलिस एवं आर्मी में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

राष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने वाले मिनी ब्राजील के मुख्य कोच रईस अहमद यह भी बताते हैं कि खेल व युवा कल्याण विभाग द्वारा विचारपुर गांव में फुटबॉल का फ्रीडम सेंटर फुटबॉल (एकेडमी)बनाई गई है जिसमें लक्ष्मी सहीस कोच है।

## बुढार में जंगली जानवर ने आठ बकरा-बकरियों का चूसा खून

**शहडोल, देशबन्धु।** कोयलांचल क्षेत्र में एक बार फिर खून के प्यासे जंगली जानवर ने दस्तक देकर आठ बकरा-बकरियों को मौत के घाट उतार दिया।

इस घटना के बाद से पशु मालिक काफी डरे सहमे हुए हैं क्योंकि दो वर्ष पूर्व इसी तरह अज्ञात जंगली जानवर के द्वारा धनपुरी में पखवाड़ा भर के भीतर करीब 25 से 30 बकरा-बकरियों को मौत के घाट उतार दिया गया था। इस बार ऐसी घटना की शुरुआत जिले के बुढार में हुई है, जहां भुतही टोला निवासी मोहम्मद नसीम के बाड़े के अंदर मौजूद आठ बकरा-बकरियों को किसी अज्ञात खूंखार जंगली जानवर ने खून चूसकर मौत के घाट उतार दिय। सुबह जब घर के लोग बाड़ा गये तो देखा कि सारे बकरे बकरियां मरे हुए जमींन पर पड़े हुए हैं। मृत मवेशियों के शरीर में हमले के कारण कुछ खून निकला हुआ दिखाई दे रहा था। लेकिन किसी भी मृत मवेशी के शरीर से मांश नोचने जैसा कोई निशाँन नहीं था । देखने पर ऐसा आभाष हो रहा है कि हमला करने वाले जंगली जानवर ने केवल इन बकरे बकरियों का खून चूसकर उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया है। आखिर वह कौन सा जानवर है ,इस बात का पता अब तक नहीं चल

सका है ? ऐसी आशंका जताई जा रही है कि यह बिघवा अथवा जंगली बिलार हो सकता है । इस घटना के बाद से बुढार समेत पूरे कोयलांचल में एक बार फिर पशु मालिक चिंता में आ गये हैं । सभी को यही डर सताने लगा है कि कहीं पिछले बार की तरह हर रात वह जंगली जानवर फिर से हमारे बकरे बकरियों को मारने न आने लगे । घटना की जानकारी वन विभाग के साथ साथ पशु चिकित्सा विभाग को भी पशु मालिक द्वारा दे दी गयी है ।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दो वर्ष ऐसे ही किसी अज्ञात जंगली जानवर ने बकरीद के त्यौहार से पूर्व करीब 15 दिन के भीतर अलग अलग घरों के आँगन व बाड़ियों में बंधे 25 से 30 बकरे बकरियों का खून पीकर उन्हें मौत की नींद सुला दिया था । जिसमे पशु मालिकों को लाखो रुपए का नुक्सान हुआ था । शिकायत के बाद वन विभाग द्वारा नाम मात्र का मुआवजा देकर कर्तव्यो से इतिक्षी कर ली।

वन परिक्षेत्राधिकारी बुढार सलीम खान से बात की गयी तो उन्होंने कहा कि हमे जानकारी मिली है ,प्रथम दृष्टया किसी जानवर के दांत के निशाँन मृत मवेशियों के शरीर पर दिखाई दे रहें हैं । पशु चिकित्सक की रिपोर्ट आने के बाद मुआवजा के लिए विभाग आगे कार्यवाही करेगा ।

## शादी के 14 दिन बाद नकदी-गहने लेकर दुल्हन फरार

### आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

**छतरपुर, देशबन्धु।** जिले के हरपालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर वार्ड-11 में शादी के 14 दिन बाद गहने और नकद रुपये लेकर भागने वाली दुल्हन और शादी कराने वाले दलाल के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। फरियादी दूल्हे ने इस मामले की शिकायत हरपालपुर थाने में की थी। थाना पुलिस ने मामले में जांच उपरांत जिला पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देश ने बाद बीएनएस की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

फरियादी दूल्हा संदीप मिश्रा ने बताया कि दस जनवरी को सूरजपाल ब्राह्मण, लल्लू ब्राह्मण दोनों पिता पुत्र निवासी थाना गोहांड जिला हमीरपुर उत्तर प्रदेश, अपने एक अन्य साथी भगवत पाठक पिता पट्टेदार पाठक निवासी महोबकंठ जिला महोबा, अन्य साथी सुरेश रावत और उसकी मां शीला बाई, पति बाबूलाल रावत (सौर) निवासी धवारी थाना जतारा जिला टीकमगढ़, जो दुल्हन की मां है। दुल्हन को लेकर उसके घर आए। संदीप मिश्रा ने पिता से कहा कि लड़की पढ़ी-लिखी है। आप लोग अपने पुत्र का विवाह इस लड़की जिसका नाम रागनी है के साथ करवा दीजिए। रागनी की घर आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। जिसके बाद मेरे पिता इन लोगों की बातों में आकर शादी का खर्चा देकर शादी के लिए तैयार हो गए। इसके बाद 21 जनवरी को उत्तर प्रदेश के राठ के श्यामला देवी मंदिर हिंदू रीतिरिवाज से संदीप एवं रागनी की शादी हो गई।

शादी के बाद दुल्हन ने घर पहुंच कर अजीबो-गरीब व्यवहार किया। शादी के 14 दिन बाद पांच फरवरी को दुल्हन ने रात के समय खाने में नशीला पदार्थ मिला पूरे परिवार को खाना खिला दिया और पूरा परिवार गहरी नींद में सो गया। अगले दिन सुबह 7 बजे के लगभग संदीप एवं उसका परिवार उठा तो देखा कि दुल्हन गायब थी। घर की दूसरी मंजिल से साड़ी लटक रही थी। उसके सहारे वो दूसरी मंजिल से उतर कर भाग गई। घर से सोने चांदी जेवर भी गायब थे। घर में रखी नकदी 40 हज़ार रुपये भी गायब थे।

वहीं, पुलिस ने फरियादी दूल्हे के आवेदन पर थाना पुलिस द्वारा धोखाधड़ी की धाराओं में दुल्हन रागनी और दलाल रामसेवक द्विवेदी के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4), 319(2), 123, 61(2), 3(5) दर्ज कर आरोप की तलाश में जुट गई है। मामले में जिला पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने कहना कि आरोपियों के खिलाफ हरपालपुर थाने में मामला पंजीबद्ध कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। शादी कराने वाले बिचौलिए एवं दुल्हन की तलाश में टीम बना कर कार्रवाई की जा रही है।

## संगीतमय श्रीराम कथा 20 से

**शहडोल, देशबन्धु।** मनोज ट्रेडिंग कंपनी, मनोज एंड ब्रदर्स एवं मनोज टीवीएस परिवार द्वारा स्मृति शेष दादाजी कौशल प्रसाद गुप्ता एवं पिताजी राममित्र गुप्ता के पुण्य स्मरण में संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन गुरुवार 20 मार्च से शनिवार 29 मार्च तक सिंधी धर्मशाला के सामने शुभम पैलेस शहडोल में किया जा रहा हैं। संगीतमय श्रीराम कथा के आयोजक मनोज टीवीएस परिवार के हनुमान प्रसाद गुप्ता, राजेश गुप्ता एवं मनोज गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार 20 मार्च को दोपहर 02 बजे से कार्यक्रम की शुरुआत कलश यात्रा से होगी। कलश यात्रा गणेश मंदिर से प्रारंभ होकर कथा स्थल शुभम पैलेस पहुंचेगी।

संगीतमय श्रीराम कथा का श्रवण श्रोताओं को ब्रम्हलीन स्वामी संकर्षण प्रपन्नाचार्य जी के कृपापात्र बद्री प्रपन्नाचार्य जी महाराज द्वारा स्वामी रामकृष्ण आचार्य के सानिध्य में कथा के मुख्य यजमान श्रीमती बब्बी बाई गुप्ता सहित श्रोताओ को श्रीराम कथा का रसपान 20 मार्च से आगामी नौ दिनों तक कथा स्थल शुभम पैलेस में प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक रामायण महात्म्य एवं उसकी महिमा से कराएंगे।श्रीराम कथा के आयोजक मनोज ट्रेडिंग कंपनी, मनोज एंड ब्रदर्स एवं मनोज टीवीएस परिवार के हनुमान प्रसाद गुप्ता, राजेश गुप्ता एवं मनोज गुप्ता ने बताया कि प्रातः यज्ञाचार्य पंडित राम सुशील शास्त्री जी द्वारा प्रतिदिन पूजा पाठ संपादित कराया जाएगा, तत्पश्चात अपरान्ह तीन बजे से पंडित बद्री प्रपन्नाचार्य जी महाराज द्वारा श्रीराम कथा का रसपान श्रोताओं को कराएंगे।